Vol 5 Issue 9 March 2016

ISSN No :2231-5063

International Multidisciplinary Research Journal

Golden Research Thoughts

Chief Editor
Dr.Tukaram Narayan Shinde

Publisher
Mrs.Laxmi Ashok Yakkaldevi

Associate Editor
Dr.Rajani Dalvi

Honorary
Mr.Ashok Yakkaldevi

Welcome to GRT

RNI MAHMUL/2011/38595 **ISSN No.2231-5063**

Golden Research Thoughts Journal is a multidisciplinary research journal, published monthly in English, Hindi & Marathi Language. All research papers submitted to the journal will be double - blind peer reviewed referred by members of the editorial board.Readers will include investigator in universities, research institutes government and industry with research interest in the general subjects.

Regional Editor

Manichander Thammishetty
Ph.d Research Scholar, Faculty of Education IASE, Osmania University, Hyderabad

International Advisory Board

Kamani Perera
Regional Center For Strategic Studies, Sri Lanka

Janaki Sinnasamy
Librarian, University of Malaya

Romona Mihaila
Spiru Haret University, Romania

Delia Serbescu
Spiru Haret University, Bucharest, Romania

Anurag Misra
DBS College, Kanpur

Titus PopPhD, Partium Christian University, Oradea,Romania

Mohammad Hailat
Dept. of Mathematical Sciences, University of South Carolina Aiken

Abdullah Sabbagh
Engineering Studies, Sydney

Ecaterina Patrascu
Spiru Haret University, Bucharest

Loredana Bosca
Spiru Haret University, Romania

Fabricio Moraes de Almeida
Federal University of Rondonia, Brazil

George - Calin SERITAN
Faculty of Philosophy and Socio-Political Sciences Al. I. Cuza University, Iasi

Hasan Baktir
English Language and Literature Department, Kayseri

Ghayoor Abbas Chotana
Dept of Chemistry, Lahore University of Management Sciences[PK]

Anna Maria Constantinovici
AL. I. Cuza University, Romania

Ilie Pintea,
Spiru Haret University, Romania

Xiaohua Yang
PhD, USA

......More

Editorial Board

Pratap Vyamktrao Naikwade
ASP College Devrukh,Ratnagiri,MS India

R. R. Patil
Head Geology Department Solapur University,Solapur

Rama Bhosale
Prin. and Jt. Director Higher Education, Panvel

Salve R. N.
Department of Sociology, Shivaji University,Kolhapur

Govind P. Shinde
Bharati Vidyapeeth School of Distance Education Center, Navi Mumbai

Chakane Sanjay Dnyaneshwar
Arts, Science & Commerce College, Indapur, Pune

Awadhesh Kumar Shirotriya
Secretary,Play India Play,Meerut(U.P.)

Iresh Swami
Ex - VC. Solapur University, Solapur

N.S. Dhaygude
Ex. Prin. Dayanand College, Solapur

Narendra Kadu
Jt. Director Higher Education, Pune

K. M. Bhandarkar
Praful Patel College of Education, Gondia

Sonal Singh
Vikram University, Ujjain

G. P. Patankar
S. D. M. Degree College, Honavar, Karnataka

Maj. S. Bakhtiar Choudhary
Director,Hyderabad AP India.

S.Parvathi Devi
Ph.D.-University of Allahabad

Sonal Singh,
Vikram University, Ujjain

Rajendra Shendge
Director, B.C.U.D. Solapur University, Solapur

R. R. Yalikar
Director Managment Institute, Solapur

Umesh Rajderkar
Head Humanities & Social Science YCMOU,Nashik

S. R. Pandya
Head Education Dept. Mumbai University, Mumbai

Alka Darshan Shrivastava
Shaskiya Snatkottar Mahavidyalaya, Dhar

Rahul Shriram Sudke
Devi Ahilya Vishwavidyalaya, Indore

S.KANNAN
Annamalai University,TN

Satish Kumar Kalhotra
Maulana Azad National Urdu University

Address:-Ashok Yakkaldevi 258/34, Raviwar Peth, Solapur - 413 005 Maharashtra, India
Cell : 9595 359 435, Ph No: 02172372010 Email: ayisrj@yahoo.in Website: www.aygrt.isrj.org

Golden Research Thoughts
International Recognition Multidisciplinary Research Journal

ISSN: 2231-5063 Impact Factor : 3.4052(UIF) Volume - 5 | Issue - 9 | March - 2016

हिन्दी साहित्यकारों के अनुसार :– मेक इन हरियाणाा – प्रगति के पथ

सुमन यादव
विषय – हिन्दी

भूमिकाः–

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्वतन्त्रता दिवस के मौके पर लाल किले से जिस मेक इन इंडिया की घोषणा जोर शोर से की थी। उसी को लागू करने के लिए प्रधानमंत्री अब आगे बढ़ रहे हैं। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में इस योजना पर काम शुरू कर दिया गया है। आपको बता दे कि कैबिनेट ने इस स्कीम को अमलीजामा पहनाने के लिए मंजूरी भी दे दी है। जिसके तहत कैपिटल गुडस को बढ़ावा दिया जाना तय हुआ है। इसके अलावा नई तकनीक व आधुनिकता को बढ़ावा दिया जाएगा।

क्या है यह मेक इन इंडिया – यह आखिर है क्या। दरअसल इसका मतलब है कि अच्छी और जरूरत की चीजों का निर्माण ज्यादा से ज्यादा भारत में होगा। इस योजना के तहत प्रधानमंत्री चाहते है कि जरूरत जरूरत चीजों के पैकेट या कहें वस्तु पर मेड़ इन इंडिया लिखा हो। यह शब्द वस्तु पर तभी अंकित किया जा सकता है, जब वस्तु का निर्माण भारत में हुआ हो। मोबाईल का उदाहरण ले लिलिए। सेमसंग मोबाइल के पीछे या सेमसंग मोबाइल के डिब्बे पर अंकित जानकारी पर नजर डालेगें तो उस पर मेड इन कोरिया लिखा होगा, क्योंकि सेमसंग कोरिया में बनता है।

क्या होता है इसका फायदा – इसका फायदा तो यह होगा कि देश में बनी वस्तु की कीमत कम होगी।

मेक इन हरियाणा – १६ फरवरी को चण्ड़ीगढ़ में एमएसएमई कान्क्लेव कराने जा रहा है। इसमें मेक इन हरियाणा पर और एमएसएमई वर्तमान-भविष्य पर मंथन होगा। इस पैनल डिस्कशन की अध्यक्षता हरियाणा विनत व उद्योगमंत्री कैप्टन अभिमन्यु करेगें। हरियाणा में एमएसइमई सेक्टर का वर्तमान और भविष्य उपलब्धियां और चुनौतियों विषय पर डिकशन किया जाएगा। इसमें लाइट इंजीनियरिंग, लेदर एंड फुटवेयर टिंवर एंड वुड, ऑटो स्टील पाटर्स, मेटल वर्क, एग्रो एंड प्रोसेसिंग, ग्रामेंट्स और हैंडलूम, साइंटिफिक इस्ट्रमेंट्स स्टार्ट अप कैमिकल एंड फार्मा तथा अन्य शामिल है। मेक इन हरियाणा का मतलब यह है कि हरियाणा में यहां के लोगों द्वारा बनाई गई वस्तु का निर्यात करना, जिससे हरियाणा का विकास हो सके। इसके लिए इसके आर्थिक सुधार पर ध्यान देना होगा। एमएसएमई यानि कम निवेश से ज्यादा रोजगार।

चार बड़े आर्थिक सुधार –

१.ब्यूरो ऑफ इनवेस्टमेंट प्रमोशन और एनआरआई सेल का सृजन।

२.आर्थिक सहयोग समूह

३.सभी योजनाओं का समयबद्ध कार्यान्वयन-१ से ३ महीने के बीच।

४.एनआरआई और एफडीआई प्रोजेक्टों के लिए आरक्षण।

लघु और सूक्ष्म उद्योग नीति के तहत हरियाणा सरकार का फोकस –

(1) गारमेंट एंड हेंडलूम इंडस्ट्री – हरियाणा का गारमेंट और हेंडलूम उद्योग देश और विदेश में अपनी अलग पहचान रखता है। गुड़गांवा की गारमेंट इंडस्ट्री की दुनिया में बहुत अधिक प्रसिद्धि है। इस उद्योग की खासियत है कि यह बड़ी संख्या में महिलाओं को भी रोजगार दे रहा है और नारी सशक्तिकरण में अहम भूमिका निभा रहा है। प्रदेश के गारमेंट कारोबार में गुड़गांव का योगदान ७२ फीसदी से ज्यादा है। सूक्ष्म और लघु इकाइयों के योगदान से चल रही इस इंडस्ट्री में ४० फीसदी महिला कर्मचारी है। जिसके कारण महिलाओं को अपने पैरों पर खड़े होने का मौका मिला है। जिससे महिलाओं का विकास हो सकता है तथा आगे बढ़ सकती है। पिछले एक दशक से गुड़गांव के गारमेंट उद्योग को बांग्लादेश से कड़ी चुनौती मिल रही है। विदेशी निर्यात आर्डर ३० फीसदी कम हो गए है। इसलिए मेक इन हरियाणा के तहत इसका निर्यात हरियाणा में ही होना चाहिए। जिससे हरियाणा को फायदा हो सके। इसके जिए सरकार ने वेट पर इनवेस्टमेंट सब्सिडी-वैट और स्टेट जीएसटी पर सात वर्षों के लिए ७५ फीसदी की सब्सिड़ी।

(2) फुटवेयर एंड एसेसरीज – हरियाणा में फुटवेयर सेक्टर में भारी संख्या में श्रम शक्ति लगी है और यह लाभकारी रोजगार के अवसर प्रदान करता है। नॉन लैदर फुटवेयर घरेलु मांग की बड़े पैमाने पर आकर्षित करता है। काफी हद तक इस सेक्टर में माइक्रो और स्माल इकाईयां कार्यरत है। बहादुरगढ़ में नॉन लैदर फुटवेयर इकाईयों की भरमार है। भारत सरकार की एमएसई-सीडीपी स्कीम के तहत एक कामन फैसिलिटी सेंटर (सीएफसी) की स्थापना की जा रही है। इस समय सभी बड़े ब्रांड/कंपनिया- लिबर्टी, एक्शन, रिलेक्सो, लांसर, टुडे आदि हरियाणा में कार्यरत है। प्रदेश सरकार की ओर से इस सेक्टर को विशेष इनसेंटिव जैसे - बिजली दरों में २ रूपये प्रति यूनिट की सब्सिड़ी, ६ फीसदी तक ब्याज सब्सिडी, वैट पर ५.-७५ फीसदी तक निवेश सब्सिडी ५०० रूप्ये से अधिक के फुटवेयर पर वैट में कटौती, ८०-१०० फीसदी तक स्टॉम्प डयूटी रिफंड और ईडीसी से ५० फीसदी छुट आदि दिए जा रह है।

(3) मंगलयान के पुर्जे तक ढले है हरियाणा में – बाबा फरीद की नगरी को आजादी के बाद शरणार्थी के रूप में बसे कुछ हजार परिवारों ने खुद की मेहनत से देश के सबसे बड़े औद्योगिक नगर तब्दील किया। १९६० के दशक में हाथ से बनाए उपकरणो से शुरू हुआ यह सफर अब आधुनिक मशीनों तक पहुंच चुका है। २० हजार करोड़ सालाना से ज्यादा टर्न ओवर से वाली शहर की लाइट इंडस्ट्री वर्तमान में सुई से लेकर मंगलयान तक के पुर्जे बनाने विदेश में भी अपने उत्पादों की धाक जमा चुकी है। करीब १० हजार सूक्ष्म लघु और मझोली इकाइयां घरेलू उपकरणो से लेकर हैवी इंडस्ट्री के लिए उत्पाद तैयार कर रही है।

दिक्कते : –

१.विदेशी और अन्य राज्यों के उत्पादों से प्रतिस्पर्धा में उद्यमियो को सबसे बड़ी बाधा महंगी बिजली लगती है।

२.एक नवम्बर से प्रदेश में न्यूनतम मजदूरी ५६०० से बढ़ाकर ७६०० किए जाने का सीधा असर सूक्ष्म और लघु उद्योगों पर पड़ा है। इस प्रकार श्रम महंगा हो गया है।

३.तीसरी समस्या बड़े और छोटे दोनों उद्योगों पर वैट आदि टैक्स की दरें समान होना है।

४.नियमानुसार सार्वजनिक उपक्रम इन उद्योगों से एक निश्चित मात्रा में उत्पाद खरीद कर इस्तेमाल करेगें लेकिन इसे माना नही जाता है। इस प्रकार औद्योगिक असुरक्षा भी एक समस्या है।

फायदा :–

१.यह विकास के लिए एक अच्छी पहल है। इसमें एक ही तरह के उद्योगों के बीच गुणवता युक्त उत्पादन स्किल ईवलमेंट के जरिए बेहतर श्रम कम लागत में उत्पादकता बढ़ाने के अवसर पैदा किए जाएगें।

२.फैक्टरी कानून में संशोधन, प्रत्यक्ष विदेशी निवेश तकनीकी आयात के अलावा उद्योगों को बढ़ावा देने के सरकारी प्रयासों का असर भविष्य में देखने को मिलेगा।

(4)कैमिकल – फार्मा इंडस्ट्री में नई सुबह की दस्तक :- हरियाणा में अम्बाला से बहादुरगढ़ और यमुनानगर से रेवाड़ी तक फैला

फार्मास्युटिकल उद्योग प्रदेश की अर्थ व्यवस्था के लिए टानिक का काम कर सकता है। नई उद्योग नीति के तहत राज्य सरकार फार्मा पार्क बनाने करने की तैयारी कर रही है। हिमाचल और उतराखण्ड़ में टैक्स छूट की अवधि खत्म होने वाली है और फार्मा कम्पनियां दोबारा हरियाणा की ओर रूख करने लगी है। करीब दस वर्ष पहले बड़ी संख्या में हरियाणा से फार्मास्युटिकल उद्योग ने हिमाचल प्रदेश और उतराखंड का रूख किया था। फार्मा कम्पनियों की संख्या में बढोतरी नहीं हो रही है लेकिन प्रदेश सरकार की कोशिश है कि हिमाचल से कम्पनियां बेचकर लोटने वाली यूनिट को हरियाणा में निवेश के लिए प्रोत्साहित किया जाए। इसका असर आने वाले दो–तीन वर्षो में दिखने की उम्मीद है।

दिक्कते :–

१.दवाओं के रेट को लेकर अभी तक काम नही हुआ।
२.पड़ोसी राज्यों द्वारा इंडस्ट्री को पैकेज देने के कारण इन राज्यों में उद्योग तेजी से पनप रहे है।
३.अस्पतालों में खुले रिटेल काउंटर कारोबार को नुकशान पहुंचा रहे है।

फायदे :–

१.हिमाचल और उतराखण्ड में टैक्स छूट की अवधि खत्म होने के कारण फार्मा कम्पनियां दोबारा हरियाणा की ओर आने वाली है। जिसे हरियाणा के विकास में सहायता मिलेगी।
२.फार्मा पार्क के लिए एचएसआईआईडीसी जमींन ले ली है। इस पार्क की स्थापना से निवेशकों को एक ही स्थान पर सभी तरह की सुविधाएं मुहैया कराई जाएगी।

निष्कर्ष :–

हमने आरम्भ में बता दिया था कि मेक इन हरियाणा का अर्थ है, हरियाणा में ही अच्छी और जरूरत की चीजों का निर्यात करता। हमने इसमें एमएसएमई का वर्णन किया है, जिसका अर्थ है कम निवेश से ज्यादा का रोजगार। इससे प्रदेश का ६० फीसदी एरिया राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के अधीन हो जाने से प्राकृतिक फायदा होगा। एमएसएमई से न्यूनतम क्षेत्र की जरूरत ५०० एकड़ और ६००० करोड़ रूपये का निवेश हो तो अल्ट्रा मेगा या प्रतिष्ठित प्रोजेक्टों के लिए महानिवेश योजना। इस के अन्तर्गत सर्विस सेक्टर पर विशेष ध्यान दिया गया है। इसके अतिरिक्त रिक्ल डेवलपमेंट यूनिवर्सिटी, इनोवेशन कैंपस, ग्रामीण बीपीओ तथा महिला विकास को ध्यान में रख कर इसका निर्माण किया।

Publish Research Article
International Level Multidisciplinary Research Journal
For All Subjects

Dear Sir/Mam,

We invite unpublished Research Paper,Summary of Research Project,Theses,Books and Book Review for publication,you will be pleased to know that our journals are

Associated and Indexed,India

- International Scientific Journal Consortium
- OPEN J-GATE

Associated and Indexed,USA

- EBSCO
- Index Copernicus
- Publication Index
- Academic Journal Database
- Contemporary Research Index
- Academic Paper Databse
- Digital Journals Database
- Current Index to Scholarly Journals
- Elite Scientific Journal Archive
- Directory Of Academic Resources
- Scholar Journal Index
- Recent Science Index
- Scientific Resources Database
- Directory Of Research Journal Indexing

Golden Research Thoughts
258/34 Raviwar Peth Solapur-413005,Maharashtra
Contact-9595359435
E-Mail-ayisrj@yahoo.in/ayisrj2011@gmail.com
Website : www.aygrt.isrj.org